**भारत सरकार**
**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**
**स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्याः 1532**
**उत्तर देने की तारीखः 01.07.2019**

**नैतिक शिक्षा**

**1532. श्री संजय सेठः**
**श्री नारणभाई काछड़ियाः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार झारखंड सहित देश में नैतिक शिक्षा को नर्सरी से विश्वविद्यालय स्तर पाठ्यक्रम तक अनिवार्य बनाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा उपर्युक्त पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु इस विषय पर शिक्षाविदों और विभिन्न धर्मों के आध्यात्मिक विद्वानों से परामर्श लेकर देश के विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य अंतर्निविष्ट करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**
**(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

(क) से (घ): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ, 2005) तैयार किया है, जो दूसरों के साथ सद्भाव से रहने के लिए आवश्यक नैतिक मूल्यों, दृष्टिकोण तथा कौशल विकसित करने पर जोर देता है। नैतिक मूल्यों से संबंधित मुद्दों को, जहां-कहीं संभव हो, स्कूल स्तर के लिए तैयार की गई पाठ्य-पुस्तकों तथा संपूर्ण स्कूल जीवन-पाठ्यचर्या, शिक्षण-कक्ष वातावरण, स्कूल प्रबंधन, शिक्षण-अधिगम, छात्र-शिक्षक संबंध आदि में सम्मिलित किया गया है।

झारखंड सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, उन्होंने स्थानीय सामग्री के साथ एनसीएफ, 2005 और एनसीईआरटी पाठ्यचर्या को अपना लिया है। प्रारंभिक शिक्षा की पाठ्यपुस्तकों में नैतिक शिक्षा को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, झारखंड शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (जेसीईआरटी) द्वारा कक्षा-III से VIII के लिए नैतिक मूल्यों पर एक अनुपूरक पुस्तक तैयार की गई है और कक्षा-VI से VIII के लिए नैतिक मूल्यों की पुस्तक

नि:शुल्क मुद्रित और वितरित की गई है। कक्षा IX से XII के लिए राज्य ने एनसीईआरटी पाठ्य-पुस्तकों को अपनाया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से प्राप्त सूचना के अनुसार नैतिक शिक्षा विश्वविद्यालय स्तर पर मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों में सभी पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या में शामिल है। इसके अतिरिक्त, देश में कुछ विश्वविद्यालय आध्यात्मिक और धार्मिक अध्ययनों से संबंधित पाठ्यक्रम भी चला रहे हैं।

*****